



## रणनीतिक वनिविश

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चयनित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नजीकरण में तेज़ी लाने के लिये रणनीतिक वनिविश (Strategic Disinvestment) की नई प्रक्रिया को मंजूरी दी है।

### नई प्रक्रिया की आवश्यकता क्यों?

- बड़ी वनिविश योजनाओं में बाधा उत्पन्न करने वाले प्रशासनिक मंत्रालयों की भूमिका को कम करने तथा वनिविश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और तेज़ करने के उद्देश्य से इस नई प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है।
- सरकार ने चालू वित्त वर्ष में वनिविश से 1.05 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है।
- लेकिन नगिम कर में छूट के माध्यम से कॉर्पोरेट्स को 1.45 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन के बाद यह लक्ष्य प्राप्त करना और अधिक कठिन हो गया है।
- 31 मार्च, 2020 को समाप्त होने वाले वर्तमान वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को GDP के 3.3% की सीमा में रखने के लिये भी वनिविश से राशि जुटाना सरकार के लिये महत्वपूर्ण है।
- 4-5 महीनों की समय-सीमा में बिक्री की प्रक्रिया को पूरा करने के लिये इस प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है।
- प्रक्रिया में परिवर्तन, सचिवों के एक समूह द्वारा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारतीय कंटेनर नगिम लिमिटेड (कॉनकॉर), नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NEEPCO) सहित कुछ अन्य PSUs में सरकारी हस्तिदारी की बिक्री के लिये सहमत वियक्त करने के कुछ दिनों के बाद किया गया है।

### क्या है नई प्रक्रिया?

- वित्त मंत्रालय के तहत नविश और लोक परसिंपत्त प्रबंधन विभाग (Department of Investment and Public Asset Management-DIPAM) को रणनीतिक वनिविश के लिये नोडल विभाग बनाया गया है।
- वर्तमान में रणनीतिक बिक्री के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) की पहचान नीति आयोग द्वारा की जाती है।
- लेकिन इस नई प्रक्रिया में अब DIPAM और नीति आयोग संयुक्त रूप से रणनीतिक वनिविश के लिये सार्वजनिक उपक्रमों की पहचान करेंगे।
- इसके अलावा संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों के सचिव के साथ DIPAM सचिव भी वनिविश पर अंतर-मंत्रि समूह की सह-अध्यक्षता करेगा।
- रणनीतिक बिक्री में दो चरणों में नीलामी हो सकती है। पहले चरण में रुचि व्यक्त की जा सकेगी और दूसरे चरण में वित्तीय नीलामी शामिल है।
- बिक्री के हर पहलू पर स्पष्टता प्रदान करने के लिये नीलामी से पूर्व संभावित बोलीदाताओं के साथ मीटिंग्स और संभावित नविशकों को आकर्षित करने हेतु रोड-शो वनिविश प्रक्रिया का हस्तिदाता होंगे।
- बिक्री के लिये चयनित PSU की जानकारी बोलीदाताओं को उपलब्ध कराने हेतु डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा।

### वनिविश और रणनीतिक बिक्री

- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) में सरकार की हस्तिदारी बेचने की प्रक्रिया वनिविश कहलाती है।
- इसके लिये सरकार अपने हस्तिसे के शेयर्स को किसी नजि इकाई को स्थानांतरित कर देती है कति उस उपक्रम पर अपना स्वामित्व अथवा मालिकाना हक बनाए रखती है।
- जबकि रणनीतिक बिक्री में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई के शेयर्स के साथ ही प्रबंधन नियंत्रण का हस्तांतरण भी किया जाता है अर्थात् स्वामित्व और नियंत्रण को किसी नजि क्षेत्र की इकाई को स्थानांतरित कर दिया जाता है।
- साधारण वनिविश के विपरीत रणनीतिक बिक्री एक प्रकार से नजीकरण है।

### रणनीतिक बिक्री क्यों?

- किसी रणनीतिक नविशक को कंपनी की इक्विटी के हस्तांतरण से प्राप्त होने वाली आय को आवश्यक अवसरचक्रों के निर्माण में अधिक लाभप्रद तरीके से परिनियोजित किया जा सकता है।

- यह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को प्रतस्पर्द्धात्मक रूप से सक्षम बनाते समय सार्वजनिक ऋण में कमी करने में भी सहायता करेगा तथा ऋण-जीडीपी अनुपात को भी कम करेगा ।

**स्रोत : बिज़नेस स्टैंडर्ड**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/strategic-disinvestment-1>

